



सार्वजनिक परविहन तक भेदभावपूर्ण पहुँच

हाल ही में एक कसिन को सुरक्षाकर्मियों द्वारा उसके कपड़ों को "अनुचित" समझे जाने के कारण मेट्रो रेल तक पहुँचने से रोक दिया गया था। वैध टिकट होने के बावजूद, सफेद शर्ट पहने और सरि पर कपड़ा बाँधे कसिन को मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा चेक पोस्ट पर रोक दिया गया।

हालाँकि जब एक साथी यात्री ने कर्मचारियों के इस फैसले पर सवाल उठाया तथा बताया कि कसिन से किसी प्रकार का सुरक्षा खतरा नहीं है और वह मेट्रो रेल के किसी भी नयिम का उल्लंघन नहीं कर रहा है, तो अंततः कसिन को मेट्रो में जाने की अनुमति दे दी गई।

इस घटना के कारण इसमें शामिल सुरक्षा पर्यवेक्षक को बर्खास्त करने के साथ मेट्रो रेल के प्रबंधन ने असुविधा के लिये खेद व्यक्त किया तथा परविहन में समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

फरि भी इस घटना ने पोशाक के आधार पर भेदभाव से संबंधित नैतिक मुद्दों एवं भवष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये सुरक्षाकर्मियों हेतु उचित प्रशिक्षण एवं दशानरिदेशों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मान लीजिये आपको समावेशी सार्वजनिक परविहन के लिये एक बेहतर नीतिका मसौदा तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस आलोक में आप इस घटना को कसि प्रकार देखेंगे तथा आपकी सुझाई गई नीतिका मुख्य तत्त्व क्या होंगे?

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/discriminatory-access-to-public-transport>

